Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh.

कक्षा- दसवीं

विषय- हिन्दी साहित्य

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - एकांकी संचय

पाठ- 6 'दीपदान' (एकांकी) लेखक - डॉ० रामकुमार वर्मा

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

"विलासी और अत्याचारी राजा कभी निष्कंटक राज्य नहीं कर सकता।" (पृष्ठ संख्या 94)

प्रश्न (क) वक्ता और श्रोता कौन- कौन हैं ? परिचय दीजिए और कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - प्रस्तुत संवाद की वक्ता पन्ना धाय हैं। श्रोता महल की दासी सामली है। पन्ना राणा सांगा के सबसे छोटे पुत्र कुंवर उदयसिंह की संरक्षिका एवं धाय माँ हैं। सामली उनके महल में एक परिचारिका (दासी) है, उसकी उम्र अट्ठाईस वर्ष है। वह एक कर्तव्यनिष्ठ दासी है, जिसे कुँवर की सुरक्षा का हर पल ख्याल रहता है।

इस समय वह पन्ना को यह बुरी खबर देने आई है कि बनवीर आज मनाए जा रहे दीपदान उत्सव का लाभ उठाकर महाराणा विक्रमादित्य के अंत:पुर में गया और उसने उनकी हत्या कर दी है। वह धाय माँ को यही बताने आई थी कि अब बनवीर कुँवर उदयसिंह को भी राज्य का अधिकारी समझकर जीवित नहीं रहने देगा क्योंकि अब वह निष्कंटक राज्य करेगा। सामली की यह बात सुनकर धाय माँ उपर्युक्त वाक्य कहती हैं क्योंकि उनका मानना है सत्ता का लालची और अत्याचारी बनवीर कभी भी निष्कंटक राज्य नही कर पाएगा।

कक्षा- दसवीं शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय- हिन्दी साहित्य (पाठ-6 'दीपदान')

प्रश्न (ख) विलासी और अत्याचारी राजा से किसकी ओर संकेत किया गया है ? ऐसे व्यक्ति को राजगद्दी पर क्यों बिठाया गया था ?

उत्तर- विलासी और अत्याचारी राजा बनवीर को कहा गया है। वह महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज का दासी पुत्र था। इसलिए उसे कुँवर उदय सिंह के बालिग होने तक राज्य की देखभाल करने के लिए कार्यकारी राजा के रूप में राज-गद्दी पर बिठाया गया था।

प्रश्न (ग) उसने अपनी इच्छा को पूरी करने के लिए कौन-सी चाल चली ?

उत्तर- 'उसने' शब्द का प्रयोग विलासी और अत्याचारी राजा (कार्यकारी राजा बनवीर) के लिए किया गया है।

महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र उदयसिंह राज्य का उत्तराधिकारी था, किंतु वह अभी केवल 14 वर्ष का था इसलिए महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी-पुत्र बनवीर को राज्य-संचालन के लिए नियुक्त किया गया था। लेकिन बनवीर मेवाड़ राज्य को हड़पकर स्वयं राजा बनना चाहता था। अपनी इसी इच्छा को पूरी करने के लिए उसने एक चाल चली। एक रात उसने दीपदान उत्सव का आयोजन करवाया और सारे नगरवासियों को इस उत्सव और नाच रंग में व्यस्त करके उसने पहले राणा साँगा के पुत्र महाराणा विक्रमादित्य की हत्या करके उसे अपने रास्ते से हटा दिया। इसके बाद वह अब कुँवर उदयसिंह को भी मारना चाहता था। इस प्रकार उत्सव का आयोजन करवाकर वह उदयसिंह को मारकर स्वयं राजा बनना चाहता था।

प्रश्न (घ) 'निष्कंटक' का क्या अर्थ है ? यह शब्द किसके संदर्भ में और क्यों प्रयोग किया गया है ?

उत्तर- 'निष्कंटक' का अर्थ है - बिना रोक-टोक।

एकांकी में इस शब्द का प्रयोग पन्ना धाय के द्वारा बनवीर के लिए किया गया है। बनवीर ने नगर में दीपदान के उत्सव का आयोजन गहरी सोच और षडयन्त्र के चलते करवाया था। जब नगर के सभी लोग इस उत्सव में भाग लेकर खुशी मना रहे थे तभी सामली आकर पन्ना धाय को यह बुरी खबर सुनाती है कि बनवीर ने महाराणा विक्रमादित्य की हत्या कर दी है और वह उन्हें यह भी बताती है कि लोगों ने बनवीर को यह कहते सुना है कि वह कुँवर उदयसिंह को भी सिंहासन का अधिकारी समझकर जीवित रहने नहीं देगा, वह निष्कंटक राज्य करेगा।

तब सामली का कथन सुनकर धाय कहती हैं कि विलासी और अत्याचारी राजा कभी निष्कंटक राज्य नहीं कर सकता।

[अंतिम पृष्ठ]